ध्यान केंद्रित किए जाने वाले क्षेत्र

- गुणवत्तायुक्त, सस्ती, सुरक्षित और सांस्कृतिक रूप से समावेशी शिक्षा तक पहुंच।
- गुणवत्तायुक्त, सस्ती, और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवाओं तक पहुंच।
- आर्थिक, सामुदायिक तथा कार्यबल विकास में उचित सहभागिता।
- आप्रवासियों और शरणार्थियों को न्याय सहित, न्यायोचित मानव एवं नागरिक अधिकार।

CAPAA'S के कार्य

अपने मिशन को हासिल करने के उद्देश्य से, कमिशन ऑन एशियन पैसिफिक अमेरिकन अफेयर्स (एशियाई प्रशांत अमेरिकी मामलों पर आयोग) अनेक कार्य एवं भूमिकाएं निभाता है। उनमें शामिल हैं:

- **अनुसंधान और विश्लेषण।** AAPI के मुद्दों की जांच करना और उन्हें परिभाषित करना तथा कार्यक्रम व कानून में वांछित परिवर्तनों के संबंध में गवर्नर, विधायकों एवं राज्य एजेंसियों को सिफारिशें देना।
- **सलाह एवं वकालत।** एशियाई अमरीकियों और प्रशांत द्वीपवासियों की विशेष समस्याओं एवं आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक और समन्वित नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के विकास व कार्यान्वयन के संबंध में गवर्नर, राज्य सरकार तथा स्थानीय सरकार के अधिकारियों को सलाह देना।
- **शिक्षा।** AAPI समुदाय के कल्याण को प्रभावित करने वाले कानूनों, कार्यक्रमों एवं नीतियों के संबंध में उन्हें शिक्षित करना।
- **माध्यम और परामर्शदाता।** AAPI समुदायों एवं राज्य एजेंसियों के बीच माध्यम व परामर्शदाता की भूमिका निभाकर सरकार को अधिक सुलभ बनाना।
- **संसाधन।** शिक्षण सामग्री, तकनीकी सहायता, एजेंसियों के पास सिफारिश करने, केस वर्क और सामुदायिक मंचों के जरिये एक संसाधन के तौर कार्य करना।

मिशन

सरकार, कारोबार, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहभागिता हेतु एशियाई प्रशांत अमरीकियों की पहुंच सुनिश्चित कर उनके कल्याण में सुधार करना।

(अध्याय 43.117 RCW)

CAPAA

210 11th Avenue Southwest, Suite 301A
Olympia, WA 98504-0925
phone: (360) 725-5667
fax: (360) 586-9501
email: capaa@capaa.wa.gov
website: www.capaa.wa.gov

वाशिंगटन राज्य

कमिशन ऑन एशियन पैसिफिक अमेरिकन अफेयर्स

CAPAA

इतिहास

व्यापक भेदभाव और सरकारी सेवाओं तक पहुंच संबंधी बाधाओं के कारण, 1971 में एशियाई अमरीकी और प्रशांत द्वीप समुदाय के सदस्यों के एक दल ने गवर्नर से मुलाकात की ताकि रोजगार, शिक्षा, सामाजिक सेवाओं, सामुदायिक विकास, आप्रवासन, और नागरिक अधिकारों के क्षेत्रों में उनके समक्ष खडे प्रमुख मुददों की जांच की जा सके। जनवरी 1972 में, गवर्नर इवैन्स ने शासकीय आदेश द्वारा दि स्टेट एशियन एडवाइजरी काउंसिल (राज्य एशियाई सलाहकार परिषद) का गठन किया। 26 फरवरी, 1974 को 43वें वाशिंगटन स्टेट ऑफ लेजिस्लेचर ने औपचारिक रूप से एक राज्य एजेंसी के तौर पर दि स्टेट ऑफ वाशिंगटन कमिशन ऑन एशियन अमेरिकन अफेयर्स (एशियाई अमेरिकी मामलों पर वाशिंगटन राज्य आयोग) का गठन किया। 17 अप्रैल, 1995 को, गवर्नर माइक लॉरी ने एक विधेयक पर हस्ताक्षर कर प्रशांत द्वीपवासियों को शामिल करने के उददेश्य से कमिशन का नाम बदलकर दि स्टेट ऑफ वाशिंगटन कमिशन ऑन एशियन पैसिफिक अमेरिकन अफेयर्स (CAPAA) (एशिया प्रशांतवासी अमेरिकी मामलों पर वाशिंगटन राज्य आयोग) कर दिया।

CAPAA के 36 वर्षों के इतिहास की विशेषता है AAPI समुदायों के कल्याण में सुधार हेतु अंतःएजेंसी और सामुदायिक सहयोगों के साथ–साथ समर्थन, सामुदायिक शिक्षा, और पहुंच कार्यक्रमों की विरासत। इसके विगत और वर्तमान क्रियाकलापों में शामिल हैं:

- ◊ AAPI के मुददों के समाधान हेतु AAPI संगठनों और उनके सहयोगियों की स्थापना कर उनका रखरखाव करता है।
- ◊ AAPI मुददों को चिह्नित करने, उनकी प्राथमिकता तय करने एवं उनका समाधान करने हेतु AAPI सम्मेलन और सामुदायिक मंचों का आयोजन करता है तथा उनके समन्वय में सहायता करता है।
- ◊ वाशिंगटन में एशिया प्रशांत अमेरिकावासी मामले के कार्यों की स्थिति पर रिपोर्टें जारी करता है।
- ◊ कानून एवं नीतियां बनाने के संबंध में समुदायों को नवीनतम जानकारियां प्रदान करता है।
- ◊ कानूनों के संबंध में राज्य एवं सामुदायिक संगठनों के साथ मिलकर संघीय और स्थानीय स्तर पर कार्य करता है।
- ◊ समितियों और कार्य दलों में भूमिका निभाकर AAPI समुदाय की ओर से आवाज उठाता है।
- ◊ मई माह में राज्यव्यापी APA हेरिटेज मंथ (APA धरोहर माह) के समारोहों में समन्वय करता है और APA लेजिस्लेटिव डे (APA विधान दिवस) में सहायता करता है।

संबंधों का निर्माण

कमिशन ऑन एशियन पेसिफिक अमेरिकन अफेयर्स, AAPI समुदायों और राज्य सरकार तथा जातीय समुदायों के बीच संबंधों को विकसित एवं पोषित करने के प्रति वचनबद्ध है। हम सकारात्मक बदलाव लाने एवं दीर्घावधि समाधान प्राप्त करने के उद्देश्य से AAPI के सरोकार वाले मुददों पर गवर्नर, राज्य विधानमंडल, राज्य एजेंसियों, निजी क्षेत्र एवं AAPI समुदायों के साथ काम करके समुदाय की आवश्यकताओं का खयाल रखते हैं। हम AAPI समुदाय को उन कानूनों, नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी देते हैं जो उनके कल्याण को प्रभावित करते हैं।

सलाहकार मंडल

कमिशन का एक सलाहकार मंडल होता है जिसमें गवर्नर द्वारा नियुक्त किए गए 12 कमिश्नर होते हैं, जो राज्य की समृद्ध विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक कमिश्नर का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है और वह लगातार दो अवधियों तक सेवा में रह सकता है। कमिशन की बैठकें जनता के लिए खुली होती हैं।

जनसख्या

अधिक AAPI जनसंख्या प्रतिशत वाले राज्यों में, वाशिंगटन में AAPI जनसंख्या की वृद्धि दर सबसे तेज है। AAPI लोगों की कुल संख्या वर्ष 1980 में 110,052 थी जो 2010 में बढकर 674,573 हो गई है। इस तीव्र वृद्धि का कारण कुछ हद तक दक्षिण एशियाई शरणार्थियों और आप्रवासियों का अंतर्वाह है।

AAPI के तहत 47 से भी अधिक जातीय समूह आते हैं जिनकी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराएं, भाषाएं और इतिहास हैं। वे यहां की सांस्कृतिक विविधता में चार चांद लगाते हैं और वाशिंगटन राज्य के सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक गठन में उनका शानदार योगदान है।

वे काउंटियां जहां वर्ष 2010 में राज्य के कुल AAPI लोगों की संख्या सर्वाधिक थी

- किंग: 353,702 अथवा राज्य के कुल AAPI लोगों का 52.4%
- पियर्स: 85,743 अथवा 12.7%
- स्नोहोमिश: 84,201 अथवा 12.5%
- क्लार्क: 28,146 अथवा 4.2%
- किटसैप: 23,064 अथवा 3.4%
- थर्स्टन: 21,728 अथवा 3.2%
- स्पोकेन: 18,545 अथवा 2.7%

2010 में AAPI जनसंख्या जातीयता के आधार पर

- चीनी: 94,198 अथवा राज्य के कुल AAPI लोगों का 14.0%
- फिलिपिनो: 91,367 अथवा 13.5%
- वियतनामी: 66,574 अथवा 9.9%
- कोरियाई: 62,374 अथवा 9.2%
- एशियाई भारतीय: 61,124 अथवा 9.1%
- जापानी: 35,008 अथवा 5.2%
- समोवन: 13,110 अथवा 1.9%
- गुआम: 9,746 अथवा 1.4%
- हवाई: 5,861 अथवा 0.9%
- अन्य: 82,179 अथवा 12.2%
- मिश्रित जातीयता के AAPI: 153,031 अथवा 22.7%

भाषाओं और उपभाषाओं के उदाहरण
अमोय
बाग्ला
बंगाली
भोजपुरी
बिकोल
बर्मी
बुटुआनी
कंबोडियन (खमेर)
कैंटोनीज
सेबुआनो
चमोरो
चाउ–चिउ
जोन्खा
अंग्रेजी
फासामोआ
फिजन
फ्रांसीसी
गुजराती
हक्का
हैंगचाउस
हवाईयन
हिलिगेनन
हिंदी–उर्दू
हमोंग
इबांग
इलोकोनो
इलोंगो
इंडोनेशियाई
जापानी
कैमकायेवे
कन्नड
खमू
कोरियाई
लोशियन
मंघाली
माले
मलयालम
मंदारिन
मराठी
मियन
नेपाली
पाम्पांगो
पंगेसिनन
पंजाबी
परसी
पुलांपुआ
सामोन
संस्कृत
शंघाई
सिंघली
सिंधी
सूचाउसेस
तागालोग
ताहीती
ताइवानी
तमिल
तेलुगू
थाई
तिब्बती
तोंयसेनीज
तोंघन
तुलु
उर्दू
वियतनामी
विसायन
वारे–वारे
यओ